प्रस्तावना

यह लेखापरीक्षा प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) के लेखा तथा लेखापरीक्षा विनियमों तथा निष्पादन लेखापरीक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार बनाया गया है।

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) निष्पादन के हाइड्रोकार्बन अन्वेषण क्रियाकलाप के तीन पहलुओं अर्थात गहरे पानी, उथले पानी तथा तटवर्ती अन्वेषण क्रियाकलापों की समीक्षा में निष्पादन की सीएजी द्वारा "गहरे पानी अन्वेषण", 2008 के प्रतिवेदन सं. पीए9, "तटवर्ती अन्वेषण क्रियाकलापों" पर 2009-10 के प्रतिवेदन सं. पी.ए. 27, तथा "उथले पानी अन्वेषण" पर 2010-11 के प्रतिवेदन सं. 10 में समीक्षा की गई थी तथा कई सिफारिशें की गई थी। इस तथ्य के दृष्टिगत कि ओएनजीसी द्वारा तेल एवं गैस का उत्पादन पिछले दशक (2001-02 से 2010-11) की तुलना में गिरावट के साथ लगभग स्थिर था, यह निष्पादन लेखापरीक्षा इस संबंध में अन्तरालों/त्रुटियों के समाधान हेतु ओएनजीसी प्रबंधन तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा निरीक्षण भूमिका निभाने के अतिरिक्त उसे प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के साथ सहमति ज्ञापन में निर्धारित लक्ष्यों सहित; भारत सरकार के हाइड्रोकार्बन के विज़न 2025 को पूरा करने के लिए ओएनजीसी की तैयारी की जाँच करने के लिए की गई थी। इस प्रतिवेदन में सीएजी के पहले तीन प्रतिवेदनों में निहित लेखापरीक्षा आपत्तियों और सिफारिशों के प्रति कम्पनी के उत्तर की भी जांच की गई है।

लेखापरीक्षा, लेखापरीक्षा प्रक्रिया की प्रत्येक अवस्था पर ओएनजीसी के प्रबंधन, महानिदेशालय हाइड्रोकार्बन तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।